Konsole Group

बिल्डर्स और वास्तु

आज के समय में बढ़ती मँहगाई और कठिन शासकीय नियमों के जाल के कारण, किसी भी सामान्य नागरिक का स्वयं अपना घर बनाना कठिन होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में सामान्य नागरिक को बिल्डर से घर खरीदना सुविधाजनक लगता है.

लोगों को बिल्डर की बनाई कॉलोनी और मल्टीस्टोरी बिल्डिंग्स के फ्लैटों में सुरक्षा, मूलभूत और बुनियादी सुविधाएँ जैसे कम्युनिटी हॉल, बच्चों के खेलने जगह, गार्डन, शॉपिंग की सुविधा, मंदिर क्लब,आदि सभी कुछ एक ही स्थान पर मिल जाती हैं. अतः एक तरह से अपार्टमेंट और कॉलोनी फायदे का सौदा भी है. अब सवाल यह उठता है कि ग्राहक जो कि प्रिन्ट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से वास्तु के बारे में काफी कुछ जान चुका होता है? वास्तु के सारे नियमों को अपने भविष्य के घर में लागू करवाना चाहता है, और वहीं दूसरी ओर बिल्डर कम खर्च में अच्छी और खूबसूरत घर बनाने के चक्कर में वास्तु के नियमों को अनदेखा करना चाहता है, तो दोनों के बीच में समन्वय कैसे स्थापित हो?

> “समय तेजी से बदला है बिल्डर को घर बेचने में अब परेशानी आने लगी है, यहां तक की एक बंगले की बुकिंग के बाद, खरीददार ने किसी स्थानीय वास्तु सलाहकार को लाकर बंगला दिखाया और उसके वास्तु दोषों से उत्पन्न होने वाले खतरों की बात बताने पर ग्राहक ने बुकिंग कैंसिल दी है.”

एक ताजा सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है की देश में पांच में से चार खरीदार वास्तु अनुरूप की घर खरीदना चाहते हैं. यही नहीं घर की दिशा भी यह फैसला लेने में बड़ी भूमिका अदा करती है. यह तथ्य भी सामने आया कि 93 फीसदी लोगों ने घर का वास्तु अनुरूप होना जरूरी बताया.

ऐसी परिस्थिति में रेशिडेंशियल और कॉमर्शियल प्रोजेक्ट्स की बिक्री निर्बाद्ध रूप से हो इसके लिए बिल्डर्स क्या कर सकते है? यह एक यक्ष प्रश्न है?

अच्छे वास्तु वाले प्रोजेक्ट का मूल्य उसी लोकेशन और स्पेशिफिकेशन में बिगड़ी वास्तु वाले प्रोजेक्ट्स की तुलना में कंही ज्यादा होता है और उसकी बिक्री भी तीव्र गति से होती है!

अतः बिल्डरों द्वारा क्या किया जाये जिससे इस समस्या से छुटकारा मिल सके?

क्या न करें

इनकी चर्चा लीक से हटकर पहले इसलिए क्योंकि ये ही वो कारण होते हैं जो की ग्राहक को सबसे अधिक दूर करते हैं –

- उत्तर पूर्व (ईशान) में कोई भी टॉयलेट या सेप्टिक टैंक न बनायें.
- घर/ ऑफिस दूकान आदि के मध्य भाग) ब्रम्हस्थान में टॉयलेट, कॉलम या अंडरग्राउंड टैंक, सीढ़ियां आदि न बनाएं.
- दक्षिण पशिम (नैत्रत्य) में ट्यूब वेल, अंडरग्राउंड टैंक, सेप्टिक टैंक, स्वीमिंग पूल आदि न बनाएं.

- प्रोजेक्ट प्लानिंग के समय ही कोशिश करें की कोई भी घर कॉलोनी के रास्तो के 'T जंक्शन' के ठीक सामने न पड़े.
- दक्षिण दिशा के मुख्य प्रवेशद्वार रखने से बचें (हालांकि यहाँ काफी भ्रामक स्थिति है और दक्षिण मुखी घर को हर स्थिति में बुरा कहना सही नही है).

क्या करें

- जहाँ तक संभव हो पृथ्वी की उत्तर दक्षिण दिशा के समानंतर ही अलाइनमेंट रखें.
- भूतिगत जल स्त्रोत व जल कुण्ड जैसे – ट्यूब वेल, कुंए, भूमिगत वाटर टैंक, स्वीमिंग पूल आदि उत्तर पूर्व (ईशान) में रखें.
- सेप्टिक टैंक उत्तर पश्चिम (वायव्य) में बनायें.
- मास्टर बेडरूम दक्षिण पशिम (नैत्रत्य) में बनाएं.
- बिल्डिंग/ घर का सबसे ऊंचा हिस्सा दक्षिण पश्चिम (नैऋत्य) में रखें.
- संभव हो मुख्य प्रवेश पूर्व या उत्तर में रखें.
- रसोई घर दक्षिण पूर्व (आग्नेय) में रखें.

अनिल कुमार वर्मा
बी टेक, एफ आई ई, एफ आई वी,
चार्टर्ड इंजीनियर, वास्तु / जियोपैथिक स्ट्रेस
सलाहकार एवं वाटर डाउसर,
सर्टिफाइड साइंटिफिक एवं
पिरामिड वास्तु विशेषज्ञ
मोबाइल : 94250 28600

Talc to your target costomers directly
Bulk SMS | SMS Panel | Voice Calls | Toll Free No. | Missed Call Service